पिता का प्रायश्चित

Que.1. 1. 'पिता का प्रायश्चित' संस्मरण के आधार पर दिए गए संकेतों को विकसित करके अरुण गांधी का पत्र कल्पना करके लिखें। (4) **[Marks :(4)]**

- **पिताजी के साथ शहर जाना।**
- **कार की सर्वीसिंग।**
- **जॉन बेन की पश्चिमी सिनेमा देखना।**
- **समय पर न पहुँचना।**
- **पिताजी के पैदल जाने का निर्णय।**

Ans. 1 स्थान, तारीख, संबोधन और स्वनिर्देश के साथ पत्रोचित भाषा में अरुण गांधी के अनुभवों तथा विचारों को प्रस्तुत किया है।

उपज में उपर्युक्त सूचक एक हद तक प्रतिबिंबित है।

उपज में उपर्युक्त सूचक आंशिक रूप में है।

पत्र लिखने का प्रयास किया है।

Que.2. सूचना: 'पिता का प्रायश्चित' संस्मरण का अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें। [Marks :(8)]

मैं झटपट गैरेज पहुँचा। वहाँ से कार लेकर जब पिताजी के पास पहुँचा तब तक शाम के छह बज चुके थे। पिताजी बेसब्री से मेरा इंतज़ार कर रहे थे। उन्होंने उत्सुकतापूर्वक पूछा,"तुम लेट क्यों हुए?" उन्हें यह बताते हुए बहुत शर्म आई कि मैं जॉन बेन की एक पश्चिमी फिल्म देख रहा था। इसलिए मैंने कह दिया कि कार तैयार नहीं थी इसलिए मुझे वहाँ देर हो गई।

1. 'मुझे' में निहित सर्वनाम कौन-सा है?

तुम, हम, तू, मैं

2. सही मिलान करें।

पिताजी बेसब्री से	**तब तक शाम के छह बज चुके थे।**
बताए गए कामों को झटपट निपटाने के बाद	**मैं जॉन बेन की एक पश्चिमी फिल्म देख रहा था।**
यह बताते हुए मुझे शर्म आया कि	**मैं झट से सिनेमाघर में घुस गया।**
कार मेकर पिताजी के पास पहुँचा	**मेरा इंतज़ार कर रहे थे।**

3. अरुण गांधी ने झूठ बोला, 'कार तैयार नहीं थी इसलिए मुझे वहाँ देर हो गई।' इस तरह झूठ बोलना क्या सही है? अपनी राय प्रकट कीजिए। (2)

4. 'फटाफट' का समानार्थी शब्द ----- है।

(धीरे, जल्दी, वर्ष, सुंदर)

Ans. 1. मैं

2. पिताजी बेसब्री से - मेरा इंतज़ार कर रहा था।

बताए गए कामों को झटपट निपटाने के बाद - मैं झट से सिनेमाघर में घुस गया।

यह बताते हुए मुझे शर्म आया कि - मैं जॉन बेन की एक पश्चिमी फिल्म देख रहा था।

कार लेकर पिताजी के पास पहुँचा - तब तक शाम के छह बज चुके थे।

3. अपना विचार जोड़कर तर्कसंगत उत्तर लिखा है।

अपना विचार प्रस्तुत करने का प्रयास किया है?

4. जल्दी

Que.3. 'पिता का प्रायश्चित' संस्मरण का अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें। [Marks :(7)]

अंधेरा हो चुका था और ज़्यादातर रास्ता कच्चा था। सड़क सुनसान थी और वहाँ कोई रोशनी भी नहीं थी। मैं पिताजी को अकेला नहीं छोड़ सकता था। इसलिए साढ़े पाँच घंटे तक मैं उनके पीछे-पीछे धीमी गति से कार चलाता रहा। और मेरे झूठ पर पिताजी को प्रायश्चित करते हुए देखता रहा। उस दिन मैंने जीवन का एक अहम निर्णय लिया-मैं कभी झूठ नहीं बोलूँगा।

1. 'रास्ता' के बदले 'सड़क' का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।

रास्ता कच्चा था।

2. पिताजी का प्रायश्चित करते हुए देखकर अरुण गांधी ने क्या निर्णय लिया?

3. 'उस दिन मैंने जीवन का एक अहम निर्णय लिया-मैं कभी झूठ नहीं बोलूँगा।' इस घटना के संबंध में मित्र के नाम पर लिखा अरुण गांधी का पत्र तैयार करें।

Ans. 1. सड़क कच्ची थी।

2. अपना विचार जोड़कर तर्कसंगत उत्तर लिखा है।

अपना विचार प्रस्तुत करने का प्रयास किया है?

3. स्थान, तारीख, संबोधन, कलेवर, स्वनिर्देश आदि के साथ अरुण गांधी के अनुभवों को पत्रोचित भाषा में प्रस्तुत किया है और सेवा में लिखा है।

Que.4. 'पिता का प्रायश्चित' संस्मरण का अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें। [Marks :(7)]

वे मेरे झूठ को जान चुके थे पर बोले, "जिस तरह से मैंने तुम्हें बड़ा किया है उसमें मुझसे कोई भारी चूक हुई है। मैंने तुम्हें सच बोलने का आत्मविश्वास नहीं दिया है। अब मैं घर तक की अठारह मील की दूरी पैदल चलकर ही तय करूँगा।"

1. वे मेरे झूठ को जान चुके थे। कौन?

(अरुण गांधी, पिताजी, माताजी, गैरेजवाला)

2. अपनी गलती पर पिताजी का प्रायश्चित देखकर अरुण गांधी को बहुत दुख हुआ। उस दिन की अरुण गांधी की डायरी तैयार करें।

Ans. 1. पिताजी

2. तारीख के साथ आत्मनिष्ठ भाषा में विचारों को मार्मिक ढंग से प्रस्तुत करके डायरी लिखा है।

- उपर्युक्त सूचकों को एक हद तक पालन करके डायरी लिखा है।
- उपर्युक्त सूचकों को आंशिक रूप से पालन करके डायरी लिखा है।
- डायरी लिखने का प्रयास किया है।

Que.5. सूचना: 'पिता का प्रायश्चित' संस्मरण का अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।[Marks :(8)]

मुझे इस बात का कोई अंदाज़ा नहीं था कि पिताजी पहले ही गैरेज को फोन कर चुके थे और असलियत से वाकिफ़ थे। वे मेरे झूठ को जान चुके थे पर बोले, "जिस तरह से मैंने तुम्हें बड़ा किया है उसमें मुझसे कोई भारी चूक हुई है। मैंने तुम्हें सच बोलने का आत्मविश्वास नहीं दिया है। अब मैं घर तक की अठारह मील की दूरी पैदल चलकर ही तय करूँगा।"

1. 'चूक' का समानार्थी शब्द है ------

(झूठ, सत्य, गलती, वस्तु)

2. "मैंने तुम्हें सच बोलने का आत्मविश्वास नहीं दिया है"- यह किसने कहा?

3. "अब मैं घर तक की अठारह मील की दूरी पैदल चलकर ही तय करूँगा।" इस कथन से पिताजी का कौन-सा मनोभाव प्रकट होता है?

4. मनीलाल गांधी अपने पुत्र की प्रतीक्षा कर रहे थे। उसकी देर होने के कारण उन्होंने गैरेजवाले को फ़ोन करके क्या-क्या पूछे होंगे? मनीलाल गांधी और गैरेजवाले के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

Ans. 1. गलती

2. पिताजी ने/मणिलाल गांधी ने

3. पिताजी के मनोभाव का विश्लेषण करके सही उत्तर लिखा है।

उत्तर लिखने की कोशिश की है।

4. स्वाभाविक, सहज भाषा और शैली में अनिवार्य विवरणात्मक के साथ गैरेजवाला और मनीलाल गांधी के बीच की बातचीत लिखी है।

बातचीत के उपर्युक्त संकेत आंशिक रूप से है।

बातचीत के कुछेक संकेत सही निकला है।

बातचीत लिखने की कोशिश की है।